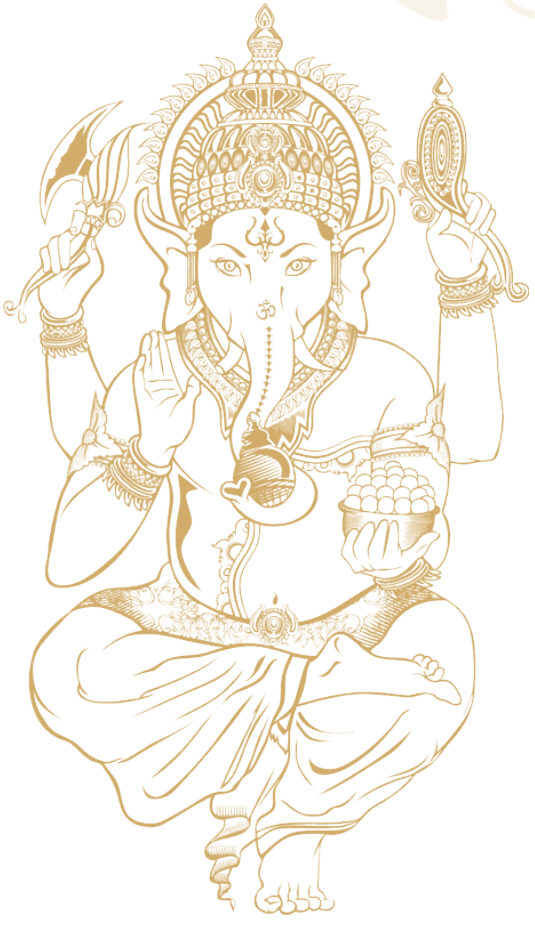

Aadish

26 Feb 2000

08:52 AM

Solapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121961407

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/02/2000**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**08:52:00 घंटे**
इष्ट	05:10:55 घटी
स्थान	**Solapur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	17:43:00 उत्तर
रेखांश	75:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:25:44 घंटे
वेलान्तर	-00:13:03 घंटे
साम्पातिक काल	18:46:56 घंटे
सूर्योदय	06:47:38 घंटे
सूर्यास्त	18:31:10 घंटे
दिनमान	11:43:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	12:58:29 कुम्भ
लग्न के अंश	20:54:51 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्याघात
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	20:54:51	449:48:41	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	12:58:29	01:00:20	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	01:42:45	12:07:53	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			मीन	16:50:11	00:45:15	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	कुंभ	21:36:28	00:42:36	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			मेष	08:05:43	00:11:01	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मक	15:57:03	01:14:06	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			मेष	18:14:40	00:04:37	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	09:18:11	00:01:18	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	09:18:11	00:01:18	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	24:04:54	00:03:21	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	11:23:02	00:02:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	18:57:01	00:00:38	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			धनु	16:55:54	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:19

लग्न-चलित

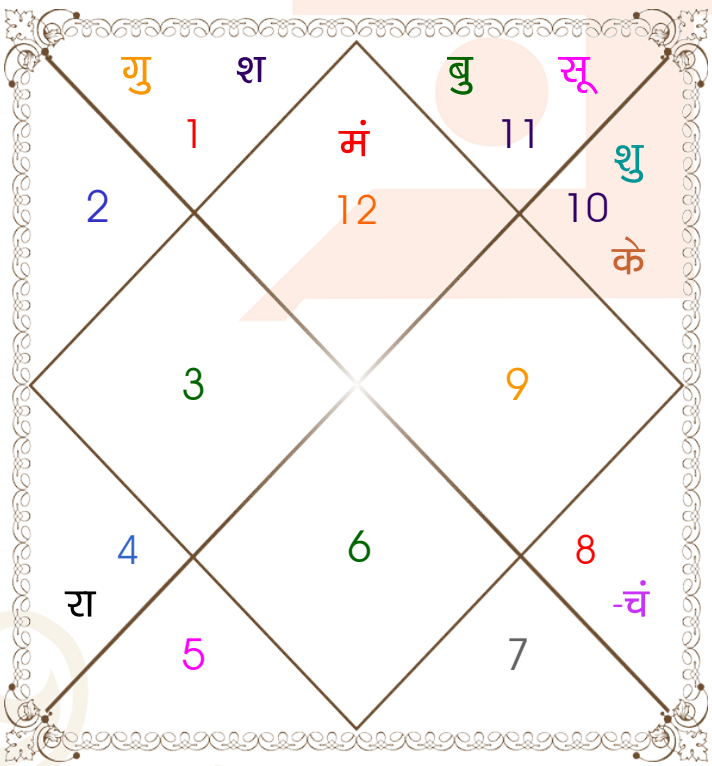

चन्द्र कुंडली

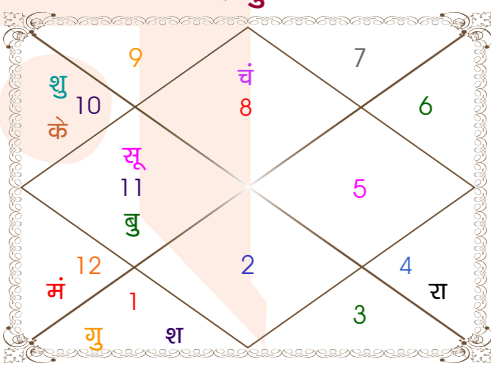

नवमांश कुंडली

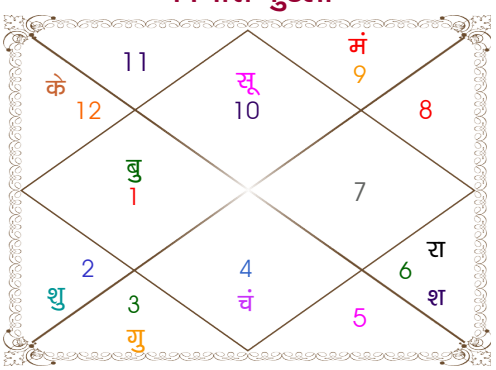

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 11 मास 10 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/02/2000		05/02/2002		05/02/2021		05/02/2038		05/02/2045	
05/02/2002		05/02/2021		05/02/2038		05/02/2045		05/02/2065	
	00/00/0000	शनि	08/02/2005	बुध	05/07/2023	केतु	04/07/2038	शुक्र	07/06/2048
	00/00/0000	बुध	19/10/2007	केतु	01/07/2024	शुक्र	04/09/2039	सूर्य	07/06/2049
	00/00/0000	केतु	27/11/2008	शुक्र	02/05/2027	सूर्य	09/01/2040	चंद्र	06/02/2051
	00/00/0000	शुक्र	28/01/2012	सूर्य	07/03/2028	चंद्र	09/08/2040	मंगल	07/04/2052
	00/00/0000	सूर्य	09/01/2013	चंद्र	07/08/2029	मंगल	06/01/2041	राहु	07/04/2055
	00/00/0000	चंद्र	10/08/2014	मंगल	04/08/2030	राहु	24/01/2042	गुरु	06/12/2057
	00/00/0000	मंगल	19/09/2015	राहु	20/02/2033	गुरु	31/12/2042	शनि	05/02/2061
	26/02/2000	राहु	26/07/2018	गुरु	29/05/2035	शनि	09/02/2044	बुध	07/12/2063
राहु	05/02/2002	गुरु	05/02/2021	शनि	05/02/2038	बुध	05/02/2045	केतु	05/02/2065

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/02/2065		06/02/2071		05/02/2081		06/02/2088		06/02/2106	
06/02/2071		05/02/2081		06/02/2088		06/02/2106		27/02/2120	
सूर्य	26/05/2065	चंद्र	07/12/2071	मंगल	04/07/2081	राहु	19/10/2090	गुरु	26/03/2108
चंद्र	24/11/2065	मंगल	07/07/2072	राहु	23/07/2082	गुरु	14/03/2093	शनि	08/10/2110
मंगल	01/04/2066	राहु	06/01/2074	गुरु	29/06/2083	शनि	19/01/2096	बुध	13/01/2113
राहु	24/02/2067	गुरु	08/05/2075	शनि	06/08/2084	बुध	07/08/2098	केतु	20/12/2113
गुरु	13/12/2067	शनि	06/12/2076	बुध	04/08/2085	केतु	25/08/2099	शुक्र	20/08/2116
शनि	24/11/2068	बुध	08/05/2078	केतु	31/12/2085	शुक्र	26/08/2102	सूर्य	08/06/2117
बुध	30/09/2069	केतु	07/12/2078	शुक्र	02/03/2087	सूर्य	21/07/2103	चंद्र	08/10/2118
केतु	05/02/2070	शुक्र	06/08/2080	सूर्य	08/07/2087	चंद्र	19/01/2105	मंगल	14/09/2119
शुक्र	06/02/2071	सूर्य	05/02/2081	चंद्र	06/02/2088	मंगल	06/02/2106	राहु	27/02/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 11 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया गया है। यदि आप वासना के प्रति अपने मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल व्यक्ति बन जाएंगे। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझे जाएंगे तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगे तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखे जाएंगे।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करते रहोगे। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगे। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगे तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करते हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करते हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करते हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगे। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगे।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगे। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी

आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकते हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगे। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान किए तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।